



|| श्री गणेशाय नमः ||

राशिफल

Prity gaur

02/02/1997 23:30

Allahabad

द्वारा उत्पन्न



पुजारी जी

बुनियादी ज्योतिषीय विवरण

बुनियादी विवरण

| | |
|---------------|--------------------|
| जन्म की तारीख | 02/02/1997 |
| जन्म का समय | 23:30 |
| जन्म स्थान | Allahabad |
| अक्षांश | 25.4358011 |
| देशान्तर | 81.846311 |
| समय क्षेत्र | 5.5 |
| अयनांश | 23.821288340954336 |
| सूर्योदय | 06:49:59 |
| सूर्यास्त | 17:41:59 |

घटक चक्र

| | |
|------------------|--------------------------------------|
| महीना | शुक्र |
| तिथि | 1 (प्रतिपदा), 6 (षष्ठी), 11 (एकादशी) |
| विपरीत लिंग लग्न | वृषभ |
| नक्षत्र | रेवती |
| भगवान | शुक्र |
| समलिंगी लग्न | वृश्चिक |
| Tatva | जल |
| रासी | वृषभ |

पंचांग विवरण

| | |
|---------|---------|
| तिथि | दशमी |
| योग | ध्रुव |
| नक्षत्र | अनुराधा |
| करण | वनिजा |

ज्योतिषीय विवरण

| | |
|----------------|----------|
| वर्ण | ब्राह्मण |
| वास्या | कीता |
| योनि | हिरण |
| तिथि | कृ.दशमी |
| नक्षत्राधिपति | शनि |
| नक्षत्र | अनुराधा |
| प्रबल | तुला |
| Tatva | जल |
| करण | वनिजा |
| नक्षत्र स्वामी | मंगल |
| दलदल | चांदी |
| नाम वर्णमाला | ना |
| रासी | वृश्चिक |
| नाड़ी | पित्त |

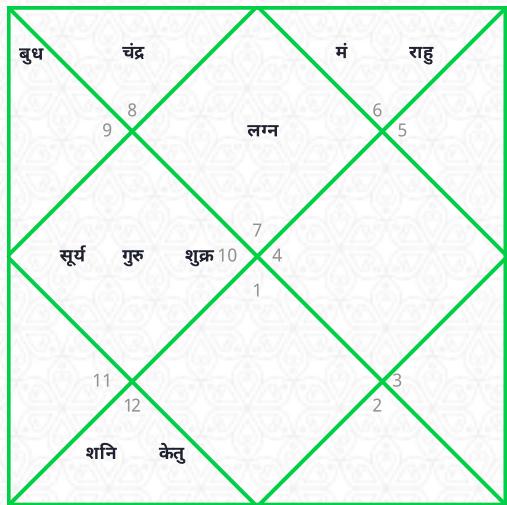
ग्रहों की स्थिति

| ग्रहों | आर | संकेत | डिग्री | साइन लॉर्ड | नक्षत्र | नक्षत्राधिपति | घर |
|----------|---------|--------------------|----------|-------------------|---------|---------------|----|
| लग्नेश | तुला | 187.38198658530308 | शुक्र | स्वाति(1) | राहु | राहु | 1 |
| सूर्य | मकर | 290.125099275609 | शनि | श्रवण(4) | चंद्रमा | चंद्रमा | 4 |
| चंद्रमा | वृश्चिक | 223.55444124544883 | मंगल | अनुराधा(4) | शनि | शनि | 2 |
| मंगल | कन्या | 162.03517421773861 | बुध | हस्ता(1) | चंद्रमा | चंद्रमा | 12 |
| बुध | धनु | 267.2156211936931 | बृहस्पति | उत्तराषाढ़ा(1) | सूर्य | सूर्य | 3 |
| बृहस्पति | मकर | 279.02995048606084 | शनि | उत्तराषाढ़ा(4) | सूर्य | सूर्य | 4 |
| शुक्र | मकर | 275.64348150118406 | शनि | उत्तराषाढ़ा(3) | सूर्य | सूर्य | 4 |
| शनि | मीन | 339.94848203857805 | बृहस्पति | उत्तराभद्र(2) | शनि | शनि | 6 |
| राहु | कन्या | 157.52519343284607 | बुध | उत्तराफाल्गुनी(4) | सूर्य | सूर्य | 12 |
| केतु | मीन | 337.5251934328461 | बृहस्पति | उत्तराभद्र(2) | शनि | शनि | 6 |

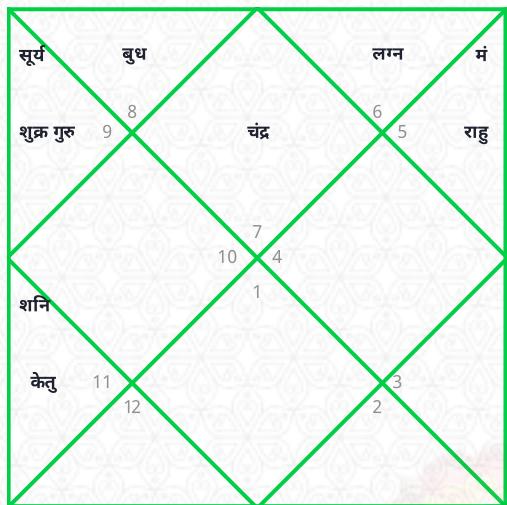
| | | |
|--|--|--|
|  सूर्य मकर श्रवण(4) नुकसानदायक |  चंद्रमा वृश्चिक अनुराधा(4) तटस्थ |  मंगल कन्या हस्ता(1) मारक |
|  शनि धनु उत्तराषाढ़ा(1) अत्यधिक लाभकारी |  बृहस्पति मकर उत्तराषाढ़ा(4) नुकसानदायक |  शुक्र मकर उत्तराषाढ़ा(3) लाभकारी |
|  शनि मीन उत्तराभद्र(2) योगकारक |  राहु कन्या उत्तराफाल्गुनी(4) अशुभ |  केतु मीन उत्तराभद्र(2) अशुभ |

राशिफल चार्ट

लग्न कुंडली (जन्म कुंडली)

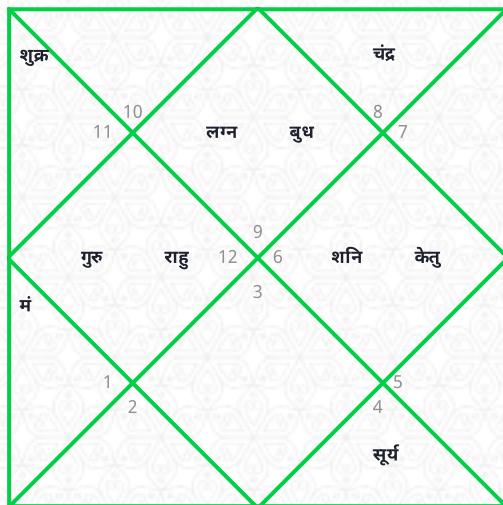


लग्न या लग्न, उस राशि की डिग्री है जो जन्म के समय पूर्वी क्षितिज पर उदित हो रही है। लग्न जन्म कुंडली में सबसे प्रभावशाली और महत्वपूर्ण राशि है। इस राशि को कुंडली का पहला घर माना जाएगा और अन्य घरों की गणना राशि चक्र की बाकी राशियों के अनुसार क्रम से की जाएगी। इस प्रकार, लग्न न केवल उदीयमान चिन्ह को चित्रित करता है, बल्कि चार्ट के अन्य सभी घरों को भी चित्रित करता है।



चंद्र कुंडली

चंद्र चार्ट भविष्यवाणी का एक महत्वपूर्ण उपकरण है और ग्रह संयोजनों के परिणाम तब अधिक प्रमुख होते हैं जब योग या कुछ संयोजन चंद्रमा और लग्न चार्ट दोनों में होते हैं।



नवमांश चार्ट(D9)

नवमांश चार्ट सबसे महत्वपूर्ण मंडल चार्ट है, नवमांश का अर्थ है एक विशेष राशि के नौ भाग जिसमें प्रत्येक अम्सा में 3 डिग्री और 20 मिनट होते हैं।

समग्र मैत्री तालिका

स्थायी मित्रता

| ग्रहों | सूर्य | चंद्रमा | मंगल ग्रह | बुध | बृहस्पति | शुक्र | शनि ग्रह |
|-----------|--------|---------|-----------|--------|----------|--------|----------|
| सूर्य | -- | दोस्त | -- | तटस्थ | दोस्त | दुश्मन | -- |
| चंद्रमा | दोस्त | -- | -- | दोस्त | तटस्थ | तटस्थ | -- |
| मंगल ग्रह | दोस्त | दोस्त | -- | दुश्मन | दोस्त | तटस्थ | -- |
| बुध | दोस्त | दुश्मन | -- | -- | तटस्थ | दोस्त | -- |
| बृहस्पति | दोस्त | दोस्त | -- | दुश्मन | -- | दुश्मन | -- |
| शुक्र | दुश्मन | दुश्मन | -- | दोस्त | तटस्थ | -- | -- |
| शनि ग्रह | दुश्मन | दुश्मन | -- | दोस्त | तटस्थ | दोस्त | -- |

अस्थायी मित्रता

| ग्रहों | सूर्य | चंद्रमा | मंगल ग्रह | बुध | बृहस्पति | शुक्र | शनि ग्रह |
|-----------|--------|---------|-----------|-------|----------|--------|----------|
| सूर्य | -- | दोस्त | -- | दोस्त | दुश्मन | दुश्मन | -- |
| चंद्रमा | दोस्त | -- | -- | दोस्त | दोस्त | दोस्त | -- |
| मंगल ग्रह | दुश्मन | दोस्त | -- | दोस्त | दुश्मन | दुश्मन | -- |
| बुध | दोस्त | दोस्त | -- | -- | दोस्त | दोस्त | -- |
| बृहस्पति | दुश्मन | दोस्त | -- | दोस्त | -- | दुश्मन | -- |
| शुक्र | दुश्मन | दोस्त | -- | दोस्त | दुश्मन | -- | -- |
| शनि ग्रह | दोस्त | दुश्मन | -- | दोस्त | दोस्त | दोस्त | -- |

समग्र मैत्री तालिका

पांच प्रकार की मित्रता

| ग्रहों | सूर्य | चंद्रमा | मंगल ग्रह | बुध | बृहस्पति | शुक्र | शनि ग्रह |
|-----------|-------------|-------------|-----------|--------|----------|-------------|----------|
| सूर्य | -- | अंतरंग | -- | दोस्त | तटस्थ | कटूर दुश्मन | -- |
| चंद्रमा | अंतरंग | -- | -- | अंतरंग | दोस्त | दोस्त | -- |
| मंगल ग्रह | तटस्थ | अंतरंग | -- | तटस्थ | तटस्थ | दुश्मन | -- |
| बुध | अंतरंग | तटस्थ | -- | -- | दोस्त | अंतरंग | -- |
| बृहस्पति | तटस्थ | अंतरंग | -- | तटस्थ | -- | कटूर दुश्मन | -- |
| शुक्र | कटूर दुश्मन | तटस्थ | -- | अंतरंग | दुश्मन | -- | -- |
| शनि ग्रह | तटस्थ | कटूर दुश्मन | -- | अंतरंग | दोस्त | अंतरंग | -- |

विंशोत्तरी दशा - 1

| शनि | |
|--------------------|----------------|
| गुरु जुलाई 04 1985 | |
| गुरु जून 28 2001 | |
| शनि | जुलाई 04 1985 |
| बुध | मार्च 12 1988 |
| केतु | अप्रैल 21 1989 |
| शुक्र | जून 20 1992 |
| सूर्य | जून 02 1993 |
| चंद्रमा | जनवरी 01 1995 |
| मंगल | फरवरी 10 1996 |
| राहु | दिसंबर 16 1998 |
| बृहस्पति | जून 28 2001 |

| बुध | |
|-------------------|-----------------|
| सोम नवंबर 24 2003 | |
| शनि जून 23 2018 | |
| बुध | नवंबर 24 2003 |
| केतु | नवंबर 20 2004 |
| शुक्र | सितंबर 20 2007 |
| सूर्य | जुलाई 26 2008 |
| चंद्रमा | दिसंबर 25 2009 |
| मंगल | दिसंबर 22 2010 |
| राहु | जुलाई 10 2013 |
| बृहस्पति | अक्टूबर 15 2015 |
| शनि | जून 23 2018 |

| केतु | |
|-------------------|----------------|
| सोम नवंबर 19 2018 | |
| रवि जून 22 2025 | |
| केतु | नवंबर 19 2018 |
| शुक्र | जनवरी 19 2020 |
| सूर्य | मई 26 2020 |
| चंद्रमा | दिसंबर 25 2020 |
| मंगल | मई 23 2021 |
| राहु | जून 10 2022 |
| बृहस्पति | मई 17 2023 |
| शनि | जून 25 2024 |
| बुध | जून 22 2025 |

| शुक्र | |
|---------------------|-----------------|
| शनि अक्टूबर 21 2028 | |
| शनि जून 17 2045 | |
| शुक्र | अक्टूबर 21 2028 |
| सूर्य | अक्टूबर 21 2029 |
| चंद्रमा | जून 21 2031 |
| मंगल | अगस्त 20 2032 |
| राहु | अगस्त 20 2035 |
| बृहस्पति | अप्रैल 19 2038 |
| शनि | जून 18 2041 |
| बुध | अप्रैल 17 2044 |
| केतु | जून 17 2045 |

| सूर्य | |
|----------------------|-----------------|
| गुरु अक्टूबर 05 2045 | |
| रवि जून 18 2051 | |
| सूर्य | अक्टूबर 05 2045 |
| चंद्रमा | अप्रैल 06 2046 |
| मंगल | अगस्त 12 2046 |
| राहु | जुलाई 07 2047 |
| बृहस्पति | अप्रैल 24 2048 |
| शनि | अप्रैल 06 2049 |
| बुध | फरवरी 10 2050 |
| केतु | जून 18 2050 |
| शुक्र | जून 18 2051 |

| चंद्रमा | |
|----------------------|----------------|
| बुद्ध अप्रैल 17 2052 | |
| गुरु जून 16 2061 | |
| चंद्रमा | अप्रैल 17 2052 |
| मंगल | नवंबर 16 2052 |
| राहु | मई 18 2054 |
| बृहस्पति | सितंबर 17 2055 |
| शनि | अप्रैल 17 2057 |
| बुध | सितंबर 16 2058 |
| केतु | अप्रैल 17 2059 |
| शुक्र | दिसंबर 15 2060 |
| सूर्य | जून 16 2061 |

विंशोत्तरी दशा - 2

| मंगल | | राहु | | बृहस्पति | |
|----------|----------------|----------|----------------|----------|-----------------|
| शनि | नवंबर 12 2061 | गुरु | फरवरी 26 2071 | शुक्र | जुलाई 30 2088 |
| शुक्र | जून 15 2068 | बुद्ध | जून 12 2086 | शनि | जून 10 2102 |
| मंगल | नवंबर 12 2061 | राहु | फरवरी 26 2071 | बृहस्पति | जुलाई 30 2088 |
| राहु | नवंबर 30 2062 | बृहस्पति | जुलाई 21 2073 | शनि | फरवरी 10 2091 |
| बृहस्पति | नवंबर 06 2063 | शनि | मई 26 2076 | बुध | मई 17 2093 |
| शनि | दिसंबर 15 2064 | बुध | दिसंबर 13 2078 | केतु | अप्रैल 23 2094 |
| बुध | दिसंबर 12 2065 | केतु | दिसंबर 31 2079 | शुक्र | दिसंबर 21 2096 |
| केतु | मई 10 2066 | शुक्र | दिसंबर 30 2082 | सूर्य | अक्टूबर 09 2097 |
| शुक्र | जुलाई 10 2067 | सूर्य | नवंबर 24 2083 | चंद्रमा | फरवरी 08 2099 |
| सूर्य | नवंबर 15 2067 | चंद्रमा | मई 25 2085 | मंगल | जनवरी 15 2100 |
| चंद्रमा | जून 15 2068 | मंगल | जून 12 2086 | राहु | जून 10 2102 |

वर्तमान चल रही दशा

| दशा नाम | ग्रहों | आरंभ करने की तिथि | अंतिम तिथि |
|-------------|----------|-----------------------------------|-----------------------------------|
| महादशा | केतु | सोम जुलाई 02 2018 रात 12:00 बजे | बुद्ध जुलाई 02 2025 रात 12:00 बजे |
| अंतर्दशा | बुध | गुरु जुलाई 04 2024 शाम 6:12 बजे | बुद्ध जुलाई 02 2025 रात 12:00 बजे |
| पर्यातर्दशा | बुध | गुरु जुलाई 04 2024 शाम 6:12 बजे | रवि अगस्त 25 2024 रात 1:49 बजे |
| शुक्रशमदाशा | शुक्र | सोम जुलाई 15 2024 रात 12:31 बजे | मंगल जुलाई 23 2024 दोपहर 1:47 बजे |
| प्रणादशा | बृहस्पति | शुक्र जुलाई 19 2024 सुबह 8:52 बजे | शनि जुलाई 20 2024 दोपहर 12:14 बजे |

* नोट: सभी तिथियां दशा की समाप्ति तिथि दर्शाती हैं।

लग्न रिपोर्ट



लग्न रिपोर्ट : तुला

| | |
|---------------|----------------------|
| विशेषताएँ | जंगम, हवादार, पश्चिम |
| भाग्यशाली रूप | डायमंड |
| भगवान् | शुक्र |
| प्रतीक | तराजू |
| उपवास का दिन | शुक्रवार |

|ॐ अश्वधजाय विश्वे धनुर् हस्ताय धीमहि तत्रो शुक्रः प्रचोदयात् ।।

तुला लग्न होने के कारण, आप स्वभाव से बहुत संतुलित हैं और अपने शांत स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। आप चिड़चिड़े, शांत, प्रतिभाशाली, सहज और तर्क, दूरदर्शिता और न्याय में उत्कृष्ट हो सकते हैं। आप कूटनीतिक बने रहेंगे और संभाल लेंगे। आसानी से बातचीत। आप विलासिता से प्यार करेंगे, अच्छे संयोजन के साथ आपको इस पर सम्मानित किया जाएगा। प्रतिकूल संयोजनों के साथ आप उग्र, ईर्ष्यालु होंगे और आपके पास जो भी धन है उसे खो सकते हैं। आपको बच्चे होने में देरी होगी या परेशानी होगी वाले।

संतुलन और सद्ग्राव की आपकी अंतर्निहित भावना आपको जीवन के सभी पहलुओं में निष्पक्षता और सुंदरता की तलाश करने के लिए प्रेरित करती है। आप सामाजिक संबंधों को महत्व देते हैं।

जबसे भगवन लग्नेश 4 गृह मे है। आप सुंदरता और प्रजनन क्षमता के कारक हैं। आप अपने जीवन में अपार धन का आनंद लेने और एक शानदार जीवन जीने में सक्षम होंगे। आप एक राज योग भी बना सकते हैं और अपने आसपास के लोगों को लाभान्वित कर सकते हैं। आप के क्षेत्र में सफल होंगे डिजाइनिंग और आर्किटेक्चर।

लग्न रिपोर्ट

आध्यात्मिक सलाह

ध्यान और चिंतन के माध्यम से आंतरिक संतुलन विकसित करें। सुंदरता के प्रति आपका प्रेम आपको ईश्वर की सराहना की ओर ले जाए।

सकारात्मक लक्षण

कूटनीतिक

आकर्षक

सामाजिक

कलात्मक

नकारात्मक लक्षण

अनिर्णायिक

लोगों को प्रसन्न करने वाला

भोगवादी

सतही



धन्यवाद



पुजारी जी

किसी भी प्रश्न के लिए कृपया संपर्क करें